**हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।**

**हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।।**

आदरणीय सदस्यों,
जय जय राधे श्याम।

गीताप्रेस गोरखपुर की मासिक पत्रिका 'कल्याण' में प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा से चैत्र पूर्णिमा तक उपरोक्त षोडशाक्षर मंत्र के वार्षिक नाम-जप अनुष्ठान की अपील प्रकाशित की जाती है। इस अनुष्ठान में परम पूज्य 'बाबूजी' (श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार) की कृपा ओतप्रोत है, इसलिए पूज्य 'नानाजी' (श्री धर्मेन्द्र मोहन सिन्हा) ने हमें सदा प्रोत्साहित किया कि अत्यंत उत्साह से इसमें सम्मिलित होना हमारा परम सौभाग्य है।

पिछले वर्ष 'कल्याण' की अपील में ९५,००,००,००० (पंचानबे करोड़) मंत्र नाम-जप की प्रार्थना की गई थी। अक्टूबर २०२४ अंक में प्रकाशित सूचना के अनुसार २०२३-२४ में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग ६८,००,००,००० (अड़सठ करोड़) मंत्र नाम-जप की पूर्ति ही हो सकी थी, जो अपेक्षित लक्ष्य से कम है। **भगवान् की असीम कृपा से पूज्य नानाजी के परिकर से संबंधित जपकर्ताओं का इसमें योगदान १६,००,००,००० (सोलह करोड़) मंत्र नाम-जप था। आपके इस उत्साह के लिए सभी को बहुत-बहुत आभार।**

प्रार्थना है कि इस वर्ष अब और भी उत्साह से इस अनुष्ठान में योगदान देने की कृपा करें। इसके अंतर्गत पूज्य नानाजी का यह अनुरोध रहता कि हर वर्ष हम अपने दैनिक नाम-जप माला का लक्ष्य पिछले वर्ष के लक्ष्य से १०% अधिक रखने की पूरी चेष्टा करें। साथ ही, अपने से संबंधित स्वजनों एवं गोष्ठी सदस्यों को माला से नियमित नाम-जप करने के लिए प्रोत्साहित करें जिससे जपकर्ताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हो। अनुष्ठान अवधि के मध्य में भी नवीन सदस्य इसमें सम्मिलित होकर अपनी नाम-जप माला की संख्या लिखवा सकते हैं।

'कल्याण' के अक्टूबर २०२४ अंक में प्रकाशित सूचना के अनुसार **इस वर्ष का नाम-जप अनुष्ठान शुक्रवार १५ नवंबर २०२४ से शनिवार १२ अप्रैल २०२५ तक है।** अतः गोष्ठी संचालकों से प्रार्थना है कि **सभी सदस्यों के दैनिक नाम-जप माला के लक्ष्य रविवार १० नवम्बर २०२४ तक हमें भेजने की कृपा करें** जिससे यह सूचना 'कल्याण' कार्यालय को शीघ्रातिशीघ्र भेजी जा सके। इस विषय में 'कल्याण' २०२४ में प्रकाशित सूचना की प्रति (२ पृष्ठ) इस संदेश के साथ संलग्न हैं। आपसे प्रार्थना है कि सभी गोष्ठी सदस्यों तक इसे पहुँचाने की कृपा करें जिससे अनुष्ठान में पूर्ण तत्परता से योगदान देने के लिए प्रेरणा मिल सके।

पूज्य नानाजी एवं सिन्हा-स्वाध्याय मण्डल की ओर से
सभी को जय जय राधे श्याम।